मीडिया लिटरेसी

समस्या

छात्र इंटरनेट पर जानकारी प्राप्त करने के साथ–साथ अध्ययन करने के लिए काफी समय ऑनलाइन व्यतीत करते हैं। जानकारी खोजने के लिए इंटरनेट एक बेहतरीन संसाधन है। हालाँकि, यह आवश्यक नहीं की इंटरनेट पर मिली सभी जानकारी सही हो। अक्सर झूठी खबरें इस तरह पेश की जाती हैं कि वह खबर पढ़ने वाले को विश्वसनीय लगने लगती हैं। शोध में यह पता चला है कि छात्र इंटरनेट पर दी गई जानकारी का मूल्यांकन करने के लिए अभी पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। इस वजह से छात्रों के लिए वास्तविक और झूठी जानकारी के बीच अंतर करना कठिन हो जाता है।

इस समस्या का एक संभावित समाधान

इंटरनेट का सदुपयोग करने के लिए, छात्रों को इंटरनेट पर दी गई जानकारी सही है या गलत यह पहचानने की क्षमता और गंभीर रूप से सोचने की मानसिकता विकसित करने की आवश्यकता है (MIT TSL, 2020)। तथ्यों की जांच करने के लिए विशेषज्ञ कई तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। इनमें से दो आसान तरीके 'क्लिक रिस्ट्रेंट' और 'लॅटरल रीडिंग' हैं (SHEG, 2019)।

क्लिक रिस्ट्रेंट

ऑनलाइन जानकारी का मूल्यांकन करते समय, पहली या दूसरी वेबसाइट पर तुरंत क्लिक ना करें। शुरुआती परिणामों और पहले पन्ने से परे जाकर अन्य वेबसाइट्स भी देखें।

किसी भी वेबसाइट पर क्लिक करने से पहले, निम्नलिखित चीजों की जांच करें:

- URL
- शीर्षक
- संक्षिप्त जानकारी

लॅटरल रीडिंग

ऑनलाइन जानकारी का मूल्यांकन करते समय, किसी एक वेबसाइट पर ध्यान केंद्रित किए बिना अन्य वेबसाइट्स का इसके बारे में क्या कहना है यह देखने का प्रयास करें। एक से अधिक टॅब खोलें और लेखक या वेबसाइट के बारे में जानकारी प्राप्त करें। यह पता लगाने की कोशिश करें कि जानकारी का उद्देश्य क्या है और वह किसके लिए है?

आप निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार कर सकते हैं:

- यह जानकारी कौन दे रहा है?
- क्या इस जानकारी का कोई सबूत है?
- इस जानकारी के बारे में अन्य स्रोत क्या कहते हैं?

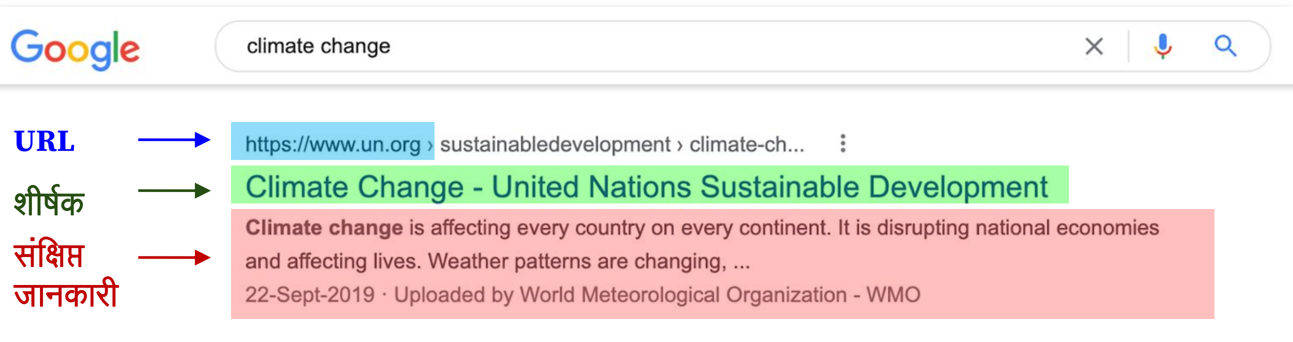

मीडिया लिटरेसी

छाया सौजन्य: https://pixabay.com/illustrations/clipart-cartoon-pencil-stationery-2798937/

हाल ही में, आपके दोस्त राहुल ने एक वीडियो भेजा है कि कैसे 'मून लैंडिंग' (यानी चंद्रमा पर उतरने) की घटना नकली है और नासा (NASA) ने उसे कैसे रचा था। यह वीडियो बाताता हैं कि दर्ज की गई बातों में कुछ अनियमितता और मिशन में विसंगतियाँ होने के बावजूद मून लैंडिंग में विश्वास करने के लिए लोगों को गुमराह किया गया था। मून लैंडिंग वास्तविक थी, इस बात के सबूत होने के बावजूद यह वीडियो ये सुझाव देने का प्रयास करता है कि मून लैंडिंग एक धोखा है। कुछ दोस्तों ने इस वीडियो पर 😇, 😇, LOL और 'हं..!?' ये जवाब दिये। लेकिन एक दोस्त को इस वीडियो में दिखाई गई बाते सच लगी और उसने इसे अपने दोस्तों के साथ शेयर किया।

अभी आपने जाना की राहुल को सही और गलत जानकारी के बीच अंतर करना मुश्किल हो रहा है। यहां आप मीडिया लिटरेसी की सहायता से राहुल कि मदद करें। **इसके लिए आपने सीखी हुई दो विधियों (क्लिक रिस्ट्रेंट और लॅटरल रीडिंग) में से एक विधि समझाने के लिए पोस्टर डिज़ाइन करें।**

पोस्टर डिज़ाइन करने के लिए कुछ टिप्पणियां– अब तक देखे गए विभिन्न पोस्टरों के बारे में सोचें। कुछ पोस्टर आपको बताते हैं कि पानी कैसे बचाया जाए, कचरे को कैसे रीसायकल किया जाए, और कुछ पोस्टर आपको ट्रैफिक के नियम सिखाते हैं। पोस्टर बनाते समय, आपको न केवल आपके द्वारा चुनी गई विधि के बारे में लिखना होगा, बल्कि चित्रों का उपयोग करके विधि की व्याख्या भी करनी होगी। इसके लिए आप उदाहरण, चिन्ह और चित्रों का भी इस्तमाल कर सकते हैं। अपने पोस्टर का शीर्षक देना न भूलें और पोस्टर को रोचक और जानकारीपूर्ण बनाने का प्रयास करें।

मीडिया लिटरेसी

पृष्ठभूमि

आज के समय में हम सभी जानकारी के समंदर में हैं। इस समंदर में कुछ गलत जानकारी भी हो सकती है। ऐसा पाया गया हैं कि हम सभी इन्फोडेमिक से लड़ रहे हैं (UN, 2020; WHO, 2020)। इन्फोडेमिक को 'अत्यधिक मात्रा में जानकारी' ऐसा परिभाषित किया गया है। इंटरनेट पर दी गयी जानकारी वास्तविक है या झूठी इसके बीच अंतर करना छात्रों के लिए कठिन हो जाता है (Breakstone et al., 2019)। परिणामस्वरूप, झूठी जानकारी से छात्रों का नुकसान हो सकता है। बिना समझे शेयर की गई झूठी या गलत जानकारी उनके साथियों में फैल सकती है। लेकिन, कभी–कभी लोग जानबूझकर गुमराह करने के लिए भी गलत जानकारी फैलाते हैं (Vosloo, 2021)। आजकल स्थापित वैज्ञानिक निष्कर्षों का खंडन करने वाली गलत जानकारी के बारे में चिंता व्यक्त की जा रही है। इस लिए वैज्ञानिक साक्षरता ज़रूरी हो गई है। छात्रों के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि वैज्ञानिक जानकारी कैसे प्राप्त करते हैं, विभिन्न मीडिया इस जानकारी को हमारे सामने कैसे प्रस्तुत करते हैं और हम इस जानकारी के आधार पर अपनी राय कैसे बनाते हैं (Howell & Brossard, 2021)।

मीडिया लिटरेसी इस समस्या को काफी हद तक हल कर सकती है। यह इंटरनेट पर मिली जानकारी का मूल्यांकन करने की एक प्रक्रिया है। मीडिया लिटरेसी छात्रों को प्राप्त जानकारी का मूल्यांकन कैसे करें और जानकारी के बारे में सोचकर वह सही है या नहीं इसकी पहचान करना सीखा सकती है (Moyer, 2022)। इस गतिविधि का पहला भाग छात्रों में आलोचनात्मक सोच विकसित करने पर केंद्रित है, जबकि दूसरा भाग संचार कौशल (कम्युनिकेशन स्किल्स) में सुधार लाने पर ध्यान देता हैं। यह गतिविधि छात्रों को शब्दों और चित्रों का उपयोग करके जानकारी प्रस्तुत करने का अवसर भी देती है और सक्रिय अध्ययन को प्रोत्साहित करती है (Mayer, 2019)।

यह गतिविधी D&T, HBCSE में नताशा मुजगुले के इंटर्नशिप परियोजना के हिस्से के रूप में विकसित की गई है।

संदर्भ

Breakstone, J., Smith, M., Wineburg, S., Rapaport, A., Carle, J., Garland, M., & Saavedra, A. (2019). *Students' civic online reasoning: A national portrait.* Stanford History Education Group & Gibson Consulting.

Howell, E. L., & Brossard, D. (2021). (Mis)informed about what? What it means to be a science-literate citizen in a digital world. *Proceedings of the National Academy of Sciences*, *118*(15).

Mayer, R. (2019). How Multimedia Can Improve Learning and Instruction. In J. Dunlosky & K. Rawson (Eds.), *The Cambridge Handbook of Cognition and Education* (Cambridge Handbooks in Psychology, pp. 460-479). Cambridge: CUP.

Moyer, M. (2022, February). Schooled in Lies. *Scientific American*, *Volume 326*(2), 34–39.

The Stanford History Education Group (SHEG). (2019). *Home | Civic Online Reasoning.*

MIT Teaching Systems Lab. (2020). *Sorting Truth From Fiction: Civic Online Reasoning*. edX.

United Nations. (2020, March 31). *UN tackles 'infodemic' of misinformation and cybercrime in COVID-19 crisis*.

Vosloo, S. V. (2021, August 24). *Digital misinformation / disinformation and children*. UNICEF Office of Global Insight & Policy.

WHO (2020). Call for Action managing the Infodemic.